# सुमित्रानन्दन पंत

## जीवन/साहित्यिक परिचय

**जीवन परिचय :—** प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानन्दन पन्त जी का जन्म सन् 1900 ई० में कूर्मांचल (कुमायूँ) के कौसानी ग्राम में हुआ था।

जन्म के कुछ ही घण्टों बाद माता का स्वर्गवास हो गया पालन-पोषण दादी ने किया। बचपन का नाम गुसाईदत्त था। पिता गंगादत्त पंत थे। अल्मोड़ा राजकीय हाई-स्कूल में प्रवेश लिया यहीं पर अपना नाम बदलकर सुमित्रानन्दन पंत कर लिया। फिर म्योर सेण्ट्रल कॉलेज में प्रवेश लिया परन्तु गाँधी जी के अह्वान पर कॉलेज छोड़ दिया। स्वाध्याय से अनेक भाषाओं का अध्ययन किया। साहित्य सेवा करते हुए पंत जी का देहावसान सन् 1977 ई० में हो गया।

**साहित्यिक परिचय :—**

सुमित्रानन्दन पंत जी ने 'रूपाभा' पत्रिका का सम्पादन एवं प्रकाशन किया। तत्पश्चात् पंत जी का परिचय अरविंद घोष से हुआ उनसे एवं उनके दर्शन से प्रभावित होकर अनेक रचनाएँ भी की। 1961 ई० में पद्मभूषण सम्मान मिला। 'कला और बूढ़ा चाँद' पर साहित्य अकादेमी' पुरस्कार मिला। लोकायतन पर सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार मिला। 'चिदम्बरा' पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कृतियाँ :—

काव्य रचनाएँ :—

वीणा, ग्रन्थि, पल्लव, गुंजन, पल्लविनी
अतिमा युगान्त, युगवाणी, ग्राम्या, स्वर्णकिरण,
स्वर्णधूलि, उत्तरा ।

Trick— वी. ग्र. प. गुं. पल्ल.
अति यु युग्रा, स्वर्ण, स्वर्ण, उत्तरा ।

गीति नाट्य :— ज्योत्स्ना, रजतशिखर
अतिमा

उपन्यास : — हार'

Gyansindhu Coaching Classes